भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2320
उत्तर देने की तारीख 18 दिसंबर 2023
सोमवार, 27 अग्रहायण, 1945 (शक)

आंध्र प्रदेश में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

2320. श्री एम.वी.वी. सत्यनारायणः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आंध्र प्रदेश राज्य में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) में चरण-वार कितनी प्रगति हुई है;

(ख) आंध्र प्रदेश राज्य के लिए पीएमकेवीवाई के अंतर्गत बजटीय आवंटन और निधियों के वितरण का चरण-वार ब्योरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि पीएमकेवीवाई के चरण-3 के अंतर्गत विशेष परियोजनाओं में कार्यरत 1408 अभ्यर्थियों में से किसी को भी प्रमाणन प्राप्त नहीं हुआ है और नियुक्तियां भी शून्य रही हैं; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उदयमशीलता राज्य मंत्री
(श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) भारत सरकार के कुशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत, विभिन्न स्कीमों अर्थात प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के द्वारा कौशल विकास केंद्रों/कॉलेजों/संस्थानों के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य और उद्योग के लिए कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

सिम के अंतर्गत, एमएसडीई 2015 से अपनी प्रमुख स्कीम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य आंध्र प्रदेश राज्य सहित देश के युवाओं को कौशल प्रदान करना है। वर्ष 2015 - 2022 के बीच, स्कीम के तीन चरण विभिन्न दृष्टिकोण और कार्यनीति के साथ कार्यान्वित किए गए। वर्तमान में, मंत्रालय इस स्कीम का चौथा चरण अर्थात पीएमकेवीवाई 4.0 कार्यान्वित कर रहा है। पीएमकेवीवाई के विभिन्न चरणों के अंतर्गत आंध्र प्रदेश राज्य में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या नीचे दी गई है:

पीएमकेवीवाई 1.0	पीएमकेवीवाई 2.0	पीएमकेवीवाई 3.0	पीएमकेवीवाई 4.0*
प्रशिक्षित उम्मीदवार	**प्रशिक्षित उम्मीदवार**	**प्रशिक्षित उम्मीदवार**	**प्रशिक्षित उम्मीदवार**
1,36,635	300,610	20,317	18,553

पीएमकेवीवाई 4.0 का डेटा दिनांक 31.10.2023 तक का है।

(ख) पीएमकेवीवाई 1.0 को केंद्रीय रूप से कार्यान्वित किया गया था। पीएमकेवीवाई 1.0 के तहत, आंध्र प्रदेश राज्य में 92.55 करोड़ रुपए वितरित किए गए।

पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0 के तहत, इसके दो घटक अर्थात्, केंद्रीय घटक के रूप में पहचाना जाने वाला केंद्र प्रायोजित केंद्रीय प्रबंधित (सीएससीएम) जिसे राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से कार्यान्वित किया गया था और राज्य घटक के रूप में पहचाना जाने वाला केंद्र प्रायोजित राज्य प्रबंधित (सीएसएसएम) जिसे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के राज्य कौशल विकास मिशन (एसएसडीएम) के माध्यम से कार्यान्वित किया गया।

पीएमकेवीवाई 2.0 के सीएससीएम घटक के तहत, आंध्र प्रदेश राज्य में 195.86 करोड़ रुपए वितरित किए गए। पीएमकेवीवाई 2.0 के सीएसएसएम घटक के तहत, आंध्र प्रदेश राज्य को 79.56 करोड़ रुपए आबंटित किए गए थे, जिसमें से 54.93 करोड़ रुपए निर्मुक्त किए गए थे।

पीएमकेवीवाई 3.0 के सीएससीएम घटक के तहत, आंध्र प्रदेश राज्य में 9.85 करोड़ रुपए वितरित किए गए। पीएमकेवीवाई 3.0 के सीएसएसएम घटक के तहत, आंध्र प्रदेश राज्य को 8.21 करोड़ रुपए आबंटित किए गए थे, जिसमें से 2.46 करोड़ रुपए निर्मुक्त किए गए थे।

पीएमकेवीवाई 4.0 को केंद्रीय क्षेत्र स्कीम के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, दिनांक 31.10.2023 तक, केंद्र सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य में 9.32 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं।

(ग) और (घ) जी, नहीं। पीएमकेवीवाई 3.0 के अंतर्गत, आंध्र प्रदेश राज्य में, अल्पावधि प्रशिक्षण और पूर्व शिक्षण मान्यता के अलावा, विशेष परियोजना, 'कोविड योद्धाओं के लिए विशेष रूप से तैयार क्रैश कोर्स कार्यक्रम (सीडब्ल्यू के लिए सीसीसीपी)' के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया था। विशेष परियोजना का उद्देश्य कुशल स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की मांग में वृद्धि को पूरा करना, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के भार को घटना और देश में समय पर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना था। इस परियोजना के तहत, प्लेसमेंट अनिवार्य नहीं था। हालांकि, इस परियोजना के तहत, अस्पतालों में प्रशिक्षण को एक अनिवार्य मॉड्यूल के रूप में प्रस्तुत किया गया था जो उम्मीदवारों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता था। पीएमकेवीवाई के सीडब्ल्यू कार्यक्रम के लिए सीसीसीपी के तहत, 1408 उम्मीदवारों को नामांकित किया गया था, जिनमें से आंध्र प्रदेश राज्य में 908 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया था।

****